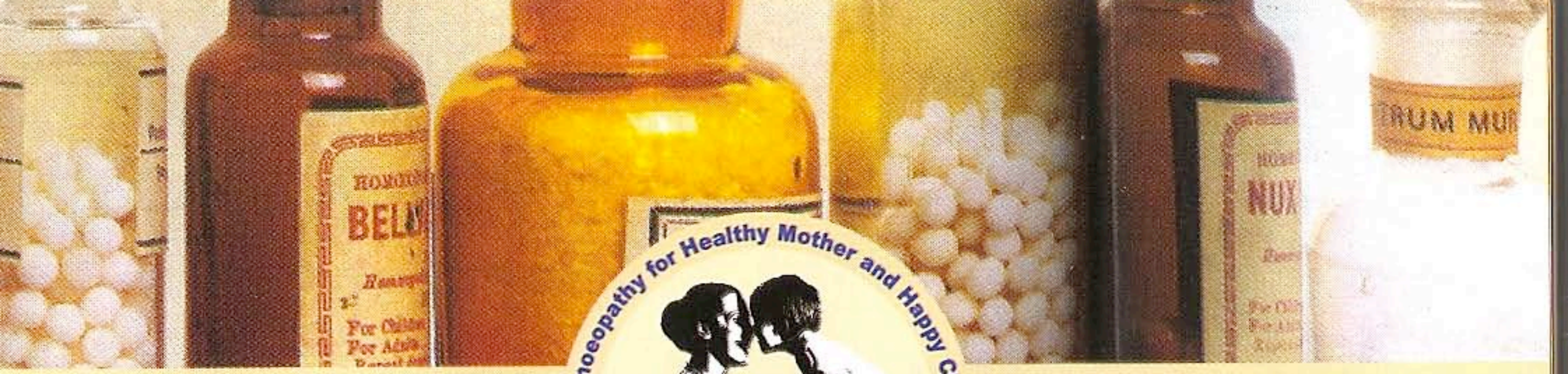

Homoeopathy for Healthy Mother and Happy Child

Multimedia campaign and three tier workshop at national, state and district levels

होम्योपैथी द्वारा
मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य रक्षा हेतु
राष्ट्रीय अभियान

बच्चों में दांत निकलने संबंधी समस्याओं का

होम्योपैथिक उपचार

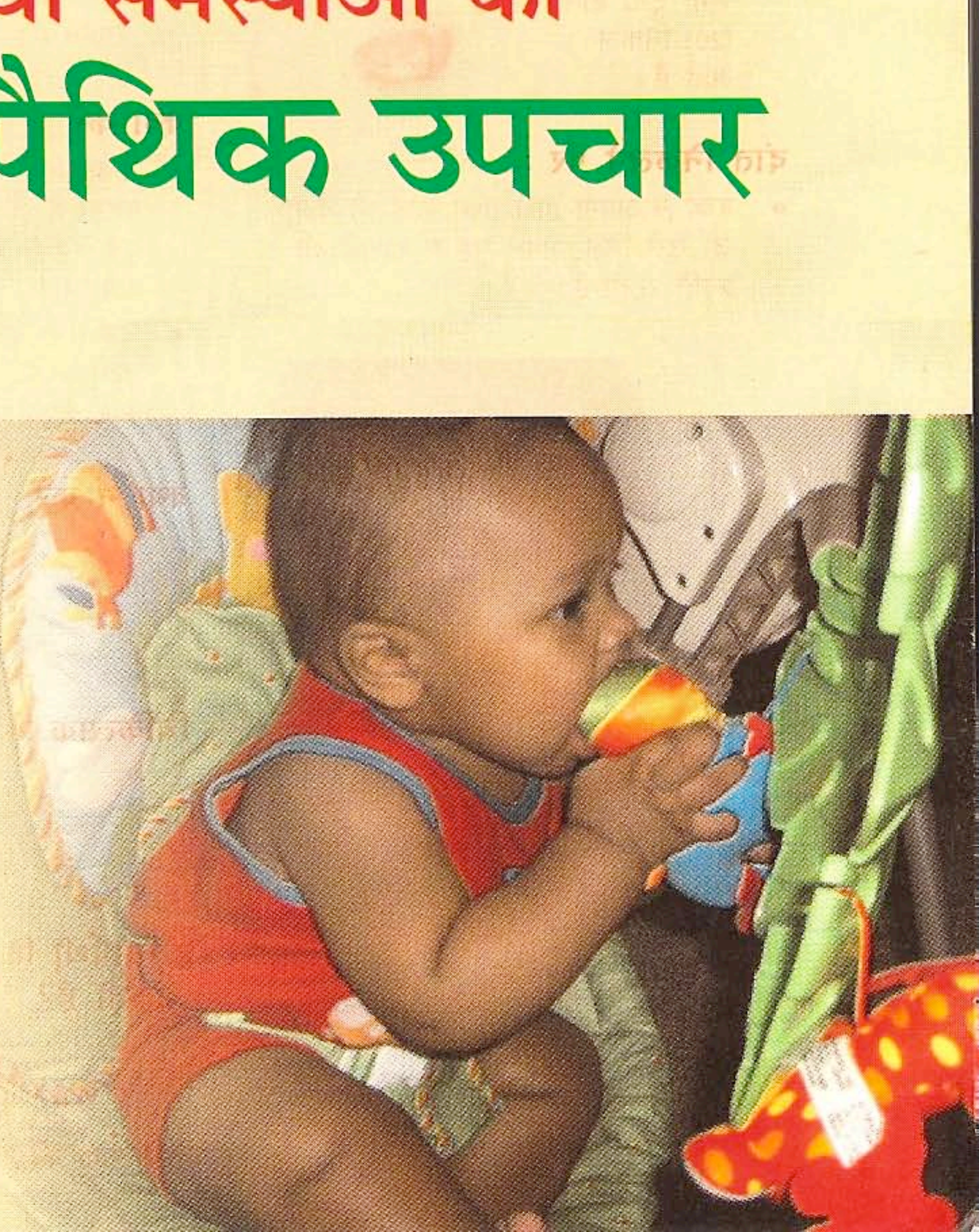

आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी चिकित्सा विभाग (आयुष)
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार

केन्द्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद्
(भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं
परिवार कल्याण मंत्रालय
के अधीन गठित स्वशासी निकाय)

बच्चों में दांत निकलने संबंधी समस्याएँ

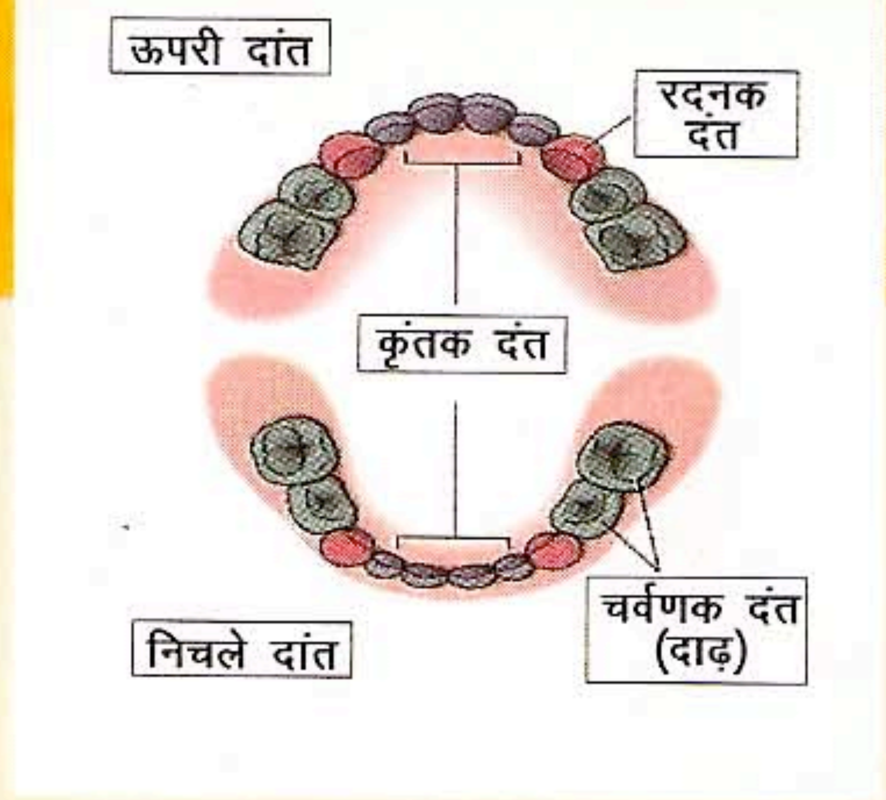

दांतों का निकलना :

- जब शिशु के पहले दांत जिन्हें प्रारम्भिक दांत अथवा दुग्ध दांत कहते हैं मसूड़ों को काट कर निकलते हैं।
- दांत निकलना साधारणतयः 6 माह की आयु में शुरू होता है, किन्तु 3–12 माह की आयु के बीच कभी भी दांत निकल सकते हैं।
- पहले नीचे वाले आगे के दांत, तत्पश्चात् 1–2 माह बाद ऊपर वाले आगे के दांत निकलते हैं।
- साधारणतयः बच्चे के तीसरे जन्मदिवस तक सभी दुग्ध दांत (20) निकल आते हैं।

दांत निकलने पर :

- बच्चे में अपना हाथ तथा कोई भी वस्तु जो उसे मिले, अपने मुंह में डालने की प्रवृति रहती है।

- बच्चे में काटने व चबाने की प्रवृति हो सकती है।
- बच्चे की लार अधिक बह सकती है।
- बच्चा चिड़चिड़ा और चिल्लाने वाला हो सकता है।
- बच्चे को अनिद्रा हो सकती है।

- बच्चा खाने और दूध पीने को मना कर सकता है।
- बच्चे को दस्त लग सकते हैं।
- बच्चों को मसूड़ों के प्रदाह के कारण हल्का ज्वर हो सकता है।
- बच्चे को अपना सिर बिस्तर या दीवार में मारने की प्रवृति होती है।
- बच्चे के मुँह के आस–पास चकते हो सकते है।

क्या करें

- बच्चे को चबाने या चूसने के लिए कुछ ठण्डा दें जैसे–टीथर अथवा एक स्वच्छ गीला फ्रीजर में रखा कपड़ा।
- चकते से बचाव के लिए नरम कपड़े से बच्चे की लार बार–बार साफ करें।

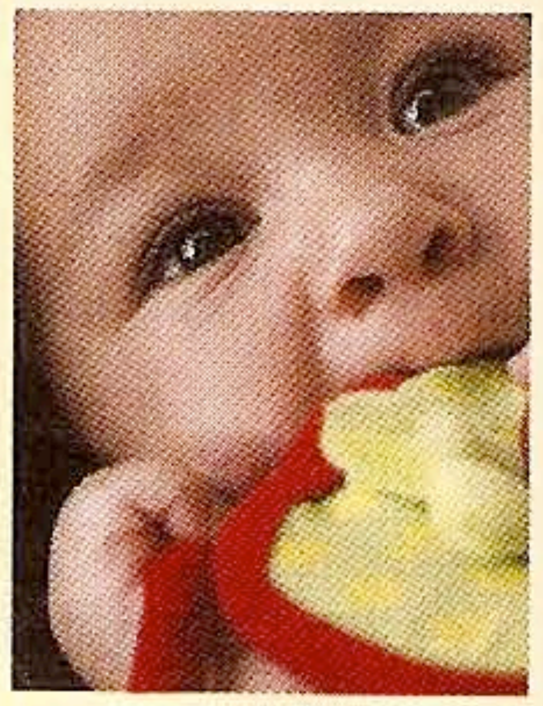

क्या न करें

- छोटी वस्तुएँ बच्चे की पहुँच से बाहर रखें।
- बच्चे को गन्दी वस्तु न दें।

चिकित्सक से सलाह लें :

- यदि निरन्तर तेज ज्वर हो।
- यदि बच्चा बार–बार कान खीचें।
- यदि दस्त न रूकें।

होम्योपैथी किस तरह सहायक हो सकती है?

निम्नलिखित औषधियां बच्चों में दांत निकलने सम्बन्धी समस्याओं के लिए प्रायः उपयोग में लाई जाती है। **फिर भी योग्य होम्योपैथिक चिकित्सक की सलाह अवश्य लें।**

लक्षण	औषधि
ज्वर : • कंपकपी के साथ ज्वर। • अत्यधिक प्यास। • घबराहट तथा बैचेनी। • पसीना आने से आराम मिलना।	*एकोनाइटम नेपेलस 30*
चिड़चिड़ापन : • बच्चा बहुत ज्यादा चिड़चिड़ा तथा झगड़ालू। • एक गाल लाल व दूसरा फीका पीला। • सिर पर अत्यधिक पसीना आना। • हरे बदबूदार दस्त। • मसूड़ों में लाली और दुखन।	*कैमोमिला 30*
दांतों का देरी से निकलना : • मोटे, गोरे और थुलथुले बच्चे में दांतों का देर से निकलना। • सिर पर बहुत अधिक पसीना आना। • बच्चे को अण्डे और न पचने वाली चीजें जैसे मिट्टी, चॉक, कोयला इत्यादि अच्छे लगते हैं।	*कल्केरिया कार्बोनिकम 30*
दुबले पतले बच्चे में दांत देर से निकलना।	*कल्केरिया फॉस्फोरिकम 30*
वमनः • अर्जीण अथवा अपचन। • दही जैसा अथवा हरा वमन तथा उसके बाद कमजोरी एवं नींद का अनुभव होना। • पानी पीने की अनिच्छा।	*एथ्यूज़ा साइनेपियम 30*
दस्तः • खट्टी गंध वाले दस्त। • बच्चे के सारे बदन से खट्टी गंध आना। • पेट में दर्द के साथ ऐंठन (दर्दयुक्त मल त्याग की इच्छा)	*रहयूम 30*
• बच्चा दूध नहीं पचा पाता। • दूध पीने से अमाशय में दर्द। • खट्टी गंध वाला अनपचा मल।	*मैग्नीशिया कार्बोनिकम 30*

पीछे दिए गए निर्देशों का पालन करें